खबर संक्षेप

पेसा मोबिइलाइजर का दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ

मण्डला। क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज पेसा क्षेत्र में वन अधिकार अधिनियम 1996 और पेसा अधिनियम 1996 की प्रचार प्रसार हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण जिला मण्डला, जनपद पंचायत नारायणगंज मुख्य कार्यपालन अधिकारी गौरीशंकर डेहरिया के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत सभा कक्ष में हुआ पंचायत इंस्पेक्टर रम्मू सिंह मरावी ने प्रशिक्षण का उद्देश्य बताया दो दिवसीय प्रशिक्षण हेतु मास्टर ट्रेनर रामनाथ मरकाम, सीलचंद्र मार्को, रामकारण कुडापे, इंद्रा उइके, राघवी धुर्वे, दुर्गेश उइके के द्वारा प्रशिक्षण की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वालित कर सरस्वती गीत गाकर किया गया जिसमें पेसा प्रशिक्षण हेतु मास्टर ट्रेनर के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। संवैधानिक प्रावधान अनुसूचित क्षेत्र के लिए संविधान की प्रावधान, पांचवी अनुसूची, पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्र पर विस्तार अधिनियम, 1996 की प्रमुख प्रावधान, मध्यप्रदेश पंचायत राज व्यवस्था अंतर्गत पेसा संबंधित प्रावधान मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 में अनुसूचित क्षेत्र के लिए विशेष प्रबंध के प्रावधान, अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा को मजबूत बनाना, विवाद समाधान के पारंपरिक तरीके शांति एवं सुरक्षा, मादक पदार्थों का निषेध और उनकी बिक्री की खपट को प्रतिबंधित, अनुसूचित क्षेत्र में भूमि हस्तांतरण को प्रतिबंधित करना,भूमि प्रबंधन, बाजारों तथा मेलो पर नियंत्रण नियम 2022, जैव विविधता अधिनियम 2002, जल संरक्षण, अनुसूचित जनजाति और न्याय परंपरागत वन निवासी वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम 2006 एफ आर ए पर जानकारी दी गई।

अधिकारियों और कर्मचारियों के अनधिकृत संलग्नीकरण और तबादलों पर सख्ती

क्या निरस्त होंगे इनके आदेश

*** 16 दिसंबर तक मांगा प्रमाण-पत्र।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

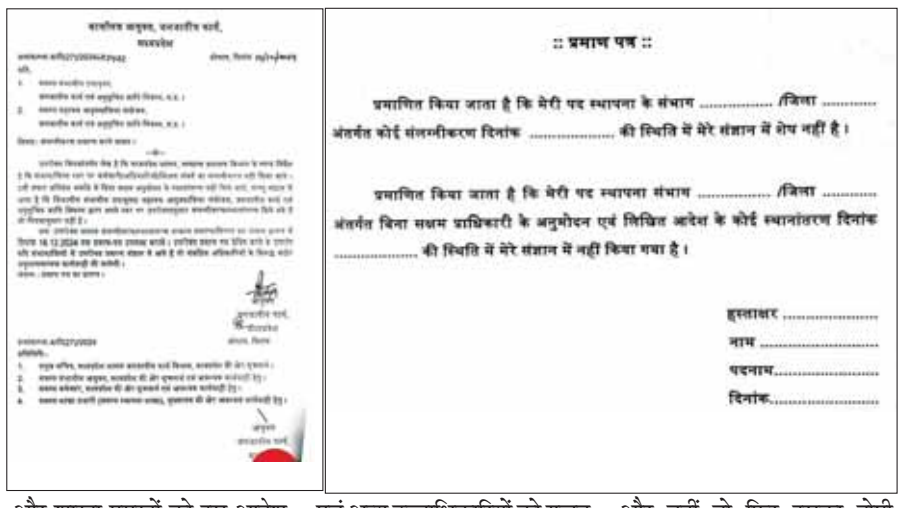

मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग ने अधिकारियों और कर्मचारियों के अनधिकृत संलग्नकरण (अस्थायी नियुक्ति) और स्थानांतरण पर प्रतिबंध अवधि में किए गए नियम विरुद्ध तबादलों पर सख्त कदम उठाते हुए आदेश जारी किया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि संचालक या जिला स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों का अस्थायी संलग्नीकरण अथवा स्थानांतरण बिना सक्षम अनुमति के स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आदेश में सभी संभागीय उप आयुक्तों और सहायक आयुक्तों को निर्देश दिया गया है कि वे 16 दिसंबर 2024 तक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। जिसमें यह बताया जाए कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का अनधिकृत संलग्नकरण या तबादला नहीं किया गया है।

विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया या अनधिकृत संलग्नीकरण पाया गया, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

यह आदेश प्रशासनिक पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। संबंधित अधिकारियों और शाखा प्रमुखों को इस आदेश का सख्ती से पालन करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। देखना यह है कि पूर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी, पूर्व सहायक आयुक्त से लेकर वर्तमान विकासखंड शिक्षा अधिकारी और सहायक आयुक्त अपनी करतूतों पर कैसे परदा डालते हैं।कारण मंडला जिले में इनके कारनामों की लंबी सूची है। देखना यह भी है कि कतिपय नेतागण अपने चहेते अधिकारियों के बचाने में कितने कामयाब होते हैं। वहीं दूसरी ओर विपक्षी नेतागण कैसे इस मामले को विधानसभा तक ले जाने में रुचि दिखाएंगे या फिर जिले की दुर्दशा की शिकार शिक्षा व्यवस्था के मूकदर्शक बने रहेंगे।

अध्ययन कार्य को आधार बनाकर जिस तरह शिक्षकों के संलग्नीकरण एवं स्थानांतरण के आदेश जारी किये गये क्या वे सभी आदेश अब निरस्त माने जायेंगे या निरस्त किये जायेंगे अथवा जिस तरह इसके पूर्व भी जिला प्रशासन एवं अन्य उच्चाधिकारियों को गलत जानकारी दी जाती रही है उसी तरह से इस आदेश पर भी जानकारी देकर मामले को निपटा दिया जायेगा। समझ से परे है कि जिला प्रशासन को आज तक इतनी जानकारी क्यों नहीं हो पा रही है कि जिले की किन शालाओं में आवश्यकता से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं या वर्तमान में अपनी सेवायें दे रहे हैं और किन शालाओं में या तो शिक्षक ही नहीं हैं या फिर एक ही शिक्षक के सहारे 5-5 शालायें संचालित हो रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ गणित और विज्ञान के विषय विशेषज्ञ आज किन शालाओं में या किन कार्यालयों में अपनी सेवायें दे रहे हैं ऐसी शालायें जहां पर कि गिनती के 4-5 छात्र हैं लेकिन पढ़ाने वाले शिक्षकों की तदाद यहां आश्चर्यजनक है आखिर इन गिनती के छात्रों की पढ़ाई पर लाखों रूपये का सरकारी खर्च होना क्या न्यायसंगत है और नहीं तो फिर इसका दोषी कौन? पिछले वर्ष जिस तरह विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बीईओ द्वारा चीन्ह-चीन्हकर मण्डला विकासखण्ड में शिक्षकों को पदस्थ किया गया और स्वयं के द्वारा शिक्षकों को शाला पहुंचकर हाथो-हाथ उनके पत्र दिये गये उच्चाधिकारियों को इसकी भनक भी नहीं लगने दी गई और यह सब हुआ सेवा शुल्क के लिये लेकिन जब मीडिया में इस तरह की खबरें प्रकाशित हुई तब कहीं जाकर सहायक आयुक्त द्वारा इस तरह की सभी पदस्थापनाओं को निरस्त कर दिया गया था अब देखना है कि आयुक्त के आदेश के बाद जिले में भी ऐसी कार्यवाही होगी अथवा नहीं।

:: प्रमाण पत्र ::

प्रमाणित किया जाता है कि मेरी पद स्थापना के संभाग .... /जिला .... अंतर्गत कोई संलग्नीकरण दिनांक .... की स्थिति में मेरे संज्ञान में शेष नहीं है।

प्रमाणित किया जाता है कि मेरी पद स्थापना संभाग .... /जिला .... अंतर्गत बिना सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन एवं लिखित आदेश के कोई स्थानांतरण दिनांक .... की स्थिति में मेरे संज्ञान में नहीं किया गया है।

हस्ताक्षर ....

नाम ....

पदनाम ....

दिनांक ....

शौर्य भूमि

मोहगांव में शिक्षकों वापस किये जाने का हुआ प्रस्ताव पारित

संलग्नीकरण बनाम स्थानांतरण का खेल

आजीविका मिशन को क्यों दिया जा रहा संरक्षण?

अनियमितताओं पर क्यों नहीं होती कार्यवाही

महिलाओं को काम न देकर पदाधिकारियों ने बनाया पैसा

समूह की आत्मा को मारने का प्रयास

National Rural Livelihood Mission

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के आजीविका मिशन में व्याप्त अनियमितताओं की एक लम्बी फेहरिस्त है लेकिन बार-बार शिकायतों के बाद भी कोई कार्यवाही न होना समझ से परे है यही कारण है कि इन्हें संरक्षण दिये जाने की बातें होने लगी हैं।

गणवेश घोटाले को लेकर जिस तरह से विभाग पर गंभीर आरोप लगे जिस तरह से समूहों की आड़ लेकर बाजार से गुणवत्ताहीन गणवेश खरीदी गई और स्कूलों में विभाग द्वारा सप्लाई की गई और सिर्फ समूह के अध्यक्ष सचिव से बिल बाऊचर लिये गये नगर के व्यापारियों के घरों से गणवेश समूह को दिये जाने के वीडियों प्रमाण भी सार्वजनिक हुये थे जिस पर दिखावे के लिये जांच तो बैठाई गई और अधिकारियों को जांच का जिम्मा सौंपा गया लेकिन एक लम्बे समय के बाद भी जांच रिपोर्ट का न आना समझ से परे है और संदेह को भी जन्म दे रहा है। जबकि इसी तरह की अनियमितताओं पर पड़ोसी जिले में त्वरित कार्यवाही करते हुये जिला परियोजना प्रबंधक की सेवा समाप्त कर दी गई। फिर मण्डला में भ्रष्ट अधिकारियों को क्यों बचाया जा रहा है हालांकि मण्डला में इस तरह भ्रष्ट अधिकारियों को पालने का सिलसिला पुराना है जो भी कार्यवाही इन भ्रष्ट अधिकारियों के विरूद्ध हुई है वह लोकायुक्त के द्वारा ही की गई है। हैरत की बात है कि विभागों में ये भ्रष्टाचारी खुलेआम रिश्वत लेते हैं लेकिन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी भनक भी नहीं लगती लोगों को जानकारी तब होती है जब ये भ्रष्टाचारी रंगेहाथों पकड़े जाते है। इसी तरह से आजीविका मिशन में भी समूह की महिलाओं से पैसे मांगे जाने की बातें प्रकाश में आई है।

रोटरी क्लब ने शासकीय हाई स्कूल बिंझिया के 70 बच्चों को वितरित किए स्वेटर

मण्डला। रोटरी क्लब मण्डला द्वारा एकीकृत शासकीय हाई स्कूल बिंझिया के 70 जरूरतमंद बच्चों को गर्म ऊनी स्वेटर वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब अध्यक्ष गीता काल्पीवार और क्लब के अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य मुकेश कुमार पांडे ने रोटरी क्लब के इस सामाजिक कार्य की सराहना करते हुए शाला परिवार की ओर से सभी सदस्यों को धन्यवाद और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब द्वारा जरूरतमंदों की मदद का यह कार्य समाज में अनुकरणीय उदाहरण है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रोटरी क्लब अध्यक्ष गीता काल्पीवार ने कहा, ₹रोटरी क्लब हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहता है। हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक सहायता पहुंचाना है। बच्चों को स्वेटर वितरित करना सर्दी के मौसम में उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक छोटा सा प्रयास है। हम आगे भी ऐसे कार्य जारी रखेंगे।इस अवसर पर विद्यालय की ओर से गायत्री शुक्ला, अलका दुबे, वंदना सिंगर, योगेंद्र पटेल, छाया धुर्वे और समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। रोटरी क्लब मण्डला से गीता काल्पीवार, साधना दुबे, सुरेश चौधरी, अजय खोत, उपेंद्र शुक्ला, संजय तिवारी, कपिल वर्मा, इंद्रेश खरया, अभिषेक बाजपेयी, डॉ. सुमित पटेल, राजा शुक्ला एवं सदस्य उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम ने बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच खुशी और आभार का माहौल बना दिया। रोटरी क्लब मण्डला ने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

अज्ञात तत्वों ने गांधी प्रतिमा से की छेड़छाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

बीती दरमियानी रात्रि में अज्ञात तत्वों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा से छेड़छाड़ कर मूर्ति को छतिग्रस्त कर दिया। उक्त मामले की जानकारी नजदीकी दुकानदार को तब लगी जब वह लघुशंका हेतु स्टेच्यू स्थल के पीछे पुराने आयुर्वेदिक दवाखाना भवन के खंडहर की ओर जा रहे थे। उक्त ने नगर परिषद अध्यक्ष को फोन पर मामले की जानकारी दी तब घटना कारित करने वाले की पतासाजी की गई लेकिन कुछ जानकारी नहीं मिल सकी। दोपहर में परिषद के जिम्मेदार लोगों ने तत्काल मूर्ति को यथावत स्थापित करने का कार्य शुरू किया और महात्मा गांधी की मूर्ति को कंक्रीट बेस में स्थापित कर दिया गया। ज्ञात हो कि निवास नगर के एकमात्र हाइवे तिराहे पर स्वतंत्रता संग्राम बलिदानी राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह का प्रतिमा बेस स्थल भी काफी कमजोर हो चला है और इस पर स्थापित मूर्तियों का बजन भी काफी ज्यादा है, जिससे उक्त महापुरुषों की मूर्तियों के क्षतिग्रस्त होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन समय रहते इस ओर भी नगर परिषद प्रशासन व किसी जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान न दिया जाना चिंताजनक है। साथ ही पूर्व में इस स्थल में लगाई गई स्टील की ग्रिल भी एक ओर से गायब है, परिषद व जन प्रतिनिधियों से जन अपील है कि उक्त स्टेच्यू स्थल का सुधार कार्य व शुरक्षा सुनिश्चित की जाये।

ट्रक ड्राईवर व कंडेक्टर की दर्दनाक मौत

*** गुस्साये क्षेत्रीय लोगों ने हाईवे पर लगाया घण्टों जाम।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नेशनल हाईवे 30 पदमी चौराहा में लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। विगत बुधवार की सुबह 05 बजे एक ट्रक ड्राईवर की मौके पर ही मौत हो गई और कंडेक्टर भी ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दो ट्रक एक ही मालिक के रायपुर की ओर से जबलपुर की ओर आ रहे थे, इसी दौरान पदमी चौराहा में आगे वाले ट्रक का ब्रेक लगा, तो पीछे वाले ट्रक ड्राईवर ने भी जमकर ब्रेक लगाया, जिससे ट्रक में रखी लोहे की पाईप ट्रक की केबिन को तोड़ते हुए ड्राईवर एवं कंडेक्टर को लगी और ये दोनों केबिन और लोहे की पाईप में चिपक गये जो घण्टों तड़पते रहे। स्थानीय लोगों द्वारा गैंस कटर का उपयोग कर बाहर निकालने का प्रयास किया जाता रहा। इस समय तक हिरदेनगर चौंकी के मात्र दो पुलिसकर्मी ही पंहुच पाये थे। प्रशासन के जिम्मेदारों को सूचना दी गई, लेकिन पंहुचने में काफी देर हो चुकी थी। ड्राईवर की मौत घटना स्थल पर ही हो गई और कंडेक्टर को एम्बुलेंस से अस्पताल लाया गया जो ईलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। दोनों मृतक बलवीर सिंह एवं कल्याण सिंह यादव झांसी ललितपुर के निवासी हैं। घटना के बाद प्रशासनिक अमला के विलम्ब से पंहुचने एवं उक्त चौराहे का चौंड़ीकरण न करने को लेकर गुस्साए आसपास के ग्रामों के लोगों द्वारा हाईवे में जाम लगाकर घण्टों प्रदर्शन करते हुए उक्त स्थल में लगे बिजली के पोल एवं ट्रांसफार्मर को अलग कर चौड़ीकरण करने एवं ओव्हरब्रिज बनवाने की मॉग की जाती रही। मिली जानकारी के अनुसार इस स्थल पर ओव्हरब्रिज बनने का प्रावधान था, लेकिन जनप्रतिनिधियों की उदासीनता एवं कुछ लोगों के हस्तारक्षर कराकर सड़क निर्माण एजेंसी ने ओव्हरब्रिज नहीं बनाया जिससे यहां निरंतर दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन करते हुए बताया कि, यहॉ के अतिक्रमण को अलग कर चौराहे का चौड़ीकरण करने अनेकों बार आवेदन दिया जा चुका है लेकिन राजनैतिक दबाव के कारण ध्यान नहीं दिया जा रहा है। फिलहाल एस.डी.एम., एडीशनल एस.पी., पुलिस बल, एम.पी.आर.डी.सी. एवं नेशनल हाईवे रोड के जिम्मेदार गणों और पूर्व विधायक शिवराज शाह की समझाईश व आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त किया गया और आवाजाही शुरू हुई।

आयोजन | **पंचचौकी महाआरती में कलेक्टर, अधिकारी, कर्मचारी जनप्रतिनिधि, समाजसेवी शामिल हुए।**

जगमगाते दीपों से प्रकाशित हुआ महिष्मती घाट

*** पंचचौकी महाआरती के एक माह हुये पूर्ण।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले में पंचचौकी महाआरती के एक माह पूर्ण होने और गीता जयंती के अवसर पर माँ नर्मदा नदी के माहिष्मती घाट में बुधवार को संध्याकालीन पंचचौकी महाआरती का आयोजन किया गया। पंचचौकी महाआरती माहिष्मती घाट के अमृता चौक, रेवा चौक, नर्मदा चौक, संकरी चौक और मेकलसुता चौक में संपन्न हुई। पंचचौकी महाआरती में कलेक्टर सोमेश मिश्रा, अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, धर्मप्रेमी, व्यापारीगण, श्रद्धालु, पत्रकार और नागरिकगण शामिल हुए। माहिष्मती घाट में आयोजित पंचचौकी महाआरती के आयोजन के अवसर पर भव्य रूप से दीप प्रज्वलित किया गया। जिससे नर्मदा नदी का तट दीपों से पूरी तरह से जगमगा उठा। नर्मदा अष्टक गान कर नर्मदा जी की पंचचौकी महाआरती उतारी गई, इसके बाद ऊँ जय जगदा नंदी आरती गाया गया। जय नर्मदे, जय भवानी, जय जगदम्बा, जय नर्मदा, जय राधेकृष्णा और जय-जयकार किया गया। आरती समापन के बाद कार्यक्रम स्थल में सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद कुमार सिंह, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजानंद नाफड़े सहित अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, व्यापारीगण, पत्रकारगण, श्रद्धालु और जिले के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

जिला जेल में गीता जयंती महोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

गीता जयंती के उपलक्ष्य में जिला जेल मण्डला में एक भव्य महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जेलर संजय सहलाम ने की, जो सनातन विचारों से प्रेरित हैं और हमेशा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए तत्पर रहते हैं। इस अवसर पर गुरुकुल के ब्रह्मचारिगण ने वेद मंत्रों और गीता के श्लोकों का उच्चारण किया, जो माहौल को शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान वैदिक रीति से यज्ञ का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्देश्य कैदियों को आत्म-संयम, सद्गति और सुधार की दिशा में मार्गदर्शन देना था। यज्ञ के बाद आचार्य भीमदेव नैष्ठिक (काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल) ने सभी कैदियों को उपदेश दिया और उन्हें जीवन में सुधार करने के लिए प्रेरित किया। उनका संदेश था कि व्यक्ति को अपने कर्मों और सोच में शुद्धता लानी चाहिए ताकि वह सुख-शांति से जीवन जी सके। जेलर संजय सहलाम, जो गुरुकुल शिक्षा पद्धति और गौशाला के प्रबल समर्थक हैं, ने इस आयोजन को पूरी तरह से समर्थन दिया। उनका मानना है कि ऐसे आयोजनों से जेल में बंद कैदियों को मानसिक शांति और आत्म-सुधार का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के अंत में, काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल परिवार ने जेलर संजय सहलाम को महर्षि दयानंद सरस्वती जी का स्मृति चिन्ह और आर्ष साहित्य भेंट किया, जो उनके सत्कर्मों और सनातन विचारों के प्रति सम्मान का प्रतीक था। आचार्य भीमदेव नैष्ठिक (काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल) व जिला मण्डला के सम्मानित अतिथिगणों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

खबर संक्षेप

फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर कर रहे लोगों की जान से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/चीचली। क्षेत्र मे इन दिनो फर्जी डिग्रीधारी, डॉक्टर अनपढ़ लोगो को दवाइयों के नाम पर लूट खसोट करने मे कोई कोर कसर बाकी नही रखते है? जबकि अंचल में पड़ोसी राज्यो के फर्जी डॉक्टरों द्वारा दवाई करने के नाम पर डिस्पेंसरी का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां पड़ोसी राज्यों बंगाल, बिहार, कलकत्ता,उड़ीसा आदि राज्यों सें आकर लोग डॉक्टरी पेशे को कमाई का जरिया बनाये हुए है और जो लोगों को दवाइयां करने के नाम पर ठगने मे कोई कोताही नही बरतते है? इतना ही नही मर्ज कितना भी जटिल क्यो न हो ये डॉक्टर दवाई करने से नही चूकते है, मजेदार बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इनसे दवाई करवाने क्षेत्र से अधिकांशतः अनपढ़ लोग आते है। जिसका फायदा ये चिकित्सक आराम से उठा रहे है,बकायदा अपने डिस्पेंशरी मे साइन बोर्ड लगाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते है, इतना ही नही वोर्ड मे कई देशी व विदेशी संस्थानों से डिग्री पास करने का उल्लेख करते है जबकि हकीकत कुछ और ही है,इनमे अधिकांशतः पांचवी पास भी नही है। लेकिन उपचार के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाने मे माहिर है,इनमे दवा कराने के बाद लोगों को गंभी अवस्था मे चिकित्सालय लाया जाता है जिसमें गरीबों का पैसा और स्वास्थ्य दोनो का नुकसान हो चुका होता है लेकिन स्वास्थ्य विभाग इन पर कार्रवाई करने से परहेज कर रहा है।

रात के समय सिंगल लाईट के भरोसे दौड़ने वाली चार पहिया वाहनों से बन ही दुर्घटनाओं की संभावना...?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। दुर्घटना से देर भली यह नारा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने वाली पुलिस हमेशा दोहराती रहती है, किन्तु विडम्बना की बात है कि उसकी तरफ से सड़कों पर अनियांत्रित गति से वाहन चलाने पर रोक नही लगायी जाती है,जिसकी जीतीजागती मिसाल इन दिनों ग्राम खुलरी में देखने को मिल रही है, जहां पर वर्तमान में ग्राम की सड़कों पर दो पाहिया,चार पाहिया वाहन ट्रक व ट्रेक्टर यमदूत बनकर फर्राटे से तेज गति में दौड़ते नजर आ रहे है, हालत यह है कि दोपाहिया वाहन चालक, राहगीर चार पहिया काने वाहनो को रात के समय टू व्हीलर वाहन समझने की भूल कर बैठते है और जब उन्हे सच पता चलता है तो खैरियत से घर पहुॅचने की ईश्वर से प्रार्थना करने लगते है। बताया जाता है कि पुलिस के सामने से भी काने वाहनो के गुजरनें का सिलसिला चलता रहता है पर पुलिस वाहन चालको पर कार्यवाही करने की जगह हरी झंडी दे देते हुये देखी जाती है? जिसका नतीजा है कि ग्राम में सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा लगातार बढ़ता जा रहा है, यातायात व्यवस्था में बाधक साबित हो रहे फर्राटे से दौड़ते वाहनों के सम्बंध में हरिभूमि टीम से क्षेत्रवासियों ने चर्चा करते हुए कहा कि गांवो की सड़को पर बिना बैक लाईट वाले वाहनो का दौड़ाया जाना खतरनाक साबित हो रहा है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों के सकरे मार्गो पर जब अनियंत्रित गाति वाले वाहन चलते है तो लोंगो का दिल दहल जाता है, पुलिस को जनहित में सड़को पर काने यानि की रात के समय वह बड़े वाहन जिनका एक लाईट ही जलता है इस प्रकार के वाहनो के दौड़ाने पर पाबंदी लगानी चाहिए, ग्रामीणों के अनुसार रात में सिंगल लाईट वाले चार पाहिया वाहनों का सड़को पर दौड़ना उचित नही है, इन वाहनों से कभी भी सड़क हादसा हो सकता है, वाहनो की धमाचौकड़ी पर पुलिस को शीघ्र प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्षेत्र के लोगों के मुताबिक हमारे मकान मुख्य सड़क के किनारे बने हुए है, जहां छोटे बच्चे हमेशा खेलते है, बच्चो की नासमझी और निरंकुश वाहन चालको की जुर्रत से कभी भी दुर्घटना हो सकती है, वही क्षेत्र लोगों का कहना है कि शाम के समय अंधेरा होने से इवनिंक बाईक पर निकले ग्रामवासी घर लौटते समय चार पाहिया वाहनो की सिंगल लाईट के कारण दोपाहिया वाहन समझ बैठते है और उन्हे बाल बाल बाचते हुए घर लौटने मजबूर होना पड़ता है।

खेतों में ऊँगती फसल के बीच आसमान पर छाने वाले बादलों को देखकर किसानों के चेहरों पर पड़ रही चिंता की लकीरें

हरिभूमि न्यूज/खुलरी।

क्षेत्र का किसान जिस प्रकार से बीते हुये कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये रातदिन एक करते हुये मेहनत करने में जुटा हुआ है। मगर इस समय देखा जा रहा है कि जिस तरह कुछ दिन अच्छी ठंड का अहसास होने के बाद आसमान पर छाने वाले बादलों से यह अनुमान लगने से चूक पा रहा है कि शायद प्रकृति की मार इन किसानों का पीछा नही छोडेगी और आसमान की ओर देखकर किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है? क्योंकि इस समय जहां अधिकांश किसानों के खेतों में गेंहू की बोनी चलते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर जिन किसानों ने चना की बोनी कर दी गई वह जमीन से ऊँगते हुये हरियानी फैलाने की ओर अग्रसर होते हुये देखे जा रहे है। मगर आसमान पर छाने वाले वादलों ने निश्चित तौर से किसानों को चिंता में डाल दिया गया है। जिसके चलते किसानों की नजर आसमान पर जाकर टिक जाती है और उनकी रातों की नींद गायब होने से नही चूक पाती है। इस तरह बन बिगड़ रहे मौसम के चलते किसानों के खेतों में तैयार हो रही फसलों में इल्ली का प्रकोप की संभावना बनने से नही चूक पा रही है.? क्योंकि हर वर्ष देखा जाता है कि जब सारी परेशानियों को झेलने के बाद अन्नदाता किसानों द्वारा अपने खेतों में इस उम्मीद के साथ फसल की बोनी की जाती है कि शायद इस बार उनका भाग्य संभल जावेगा और प्रकृति साथ दे देगी। मगर जब खेतों में फसले तैयार होने लगती है तो प्रकृति का खेल इस प्रकार से देखने मिलता है कि किसानों की रातों की नींद गायब होने से नही बच पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि इस समय किसानों के खेतों में जहां चना, गेंहू, मसूर सहित अन्य प्रकार की फसले तैयार होते हुये दिखाई पड़ रही है तो अनेक जगहों पर किसानों ने अपने खेतों में राहर फसल लगाई गई थी वह

कटने के लिये तैयार होकर खड़ी है। मगर दूसरी ओर जिन किसानों के खेतों में गन्ना फसल लगी हुई है उसकी पिराई का कार्य जोरो पर चल रहा है। वही दूसरी ओर आये दिन आसमान पर बादल छाने के कारण किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे पड़ने से नही चूक पा रही है। क्योंकि बादलों का डेरा रहने से जहां फसलों में इल्ली का प्रकोप बढ़ रहा है तो दूसरी ओर ठंड में भी ब्रेक लगने से फसल तैयार होने की गति पर अंकुश लग रहा है। क्योंकि किसानों के खेतों में बोई गये चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य फसलों के कारण संपूर्ण प्रकृति हरियाली से सराबोर हो रही है उसे लूटने में देर नही लगेगी। इस तरह आसमान पर बदली छाने के कारण ठंड में रूकावट का महौल निर्मित हो रहा है उसके कारण किसानों के खेतों में लहलहाती की ओर अग्रसर हो रही फसलों में इल्ली सहित अन्य प्रकार के रोग लगते हुये देखे जा रहे है तथा अपनी फसलों की सुरक्षा को लेकर किसान अनेक प्रकार से कीट नाशक दबाईयों का छिड़काव करने के लिये अभी से मजबूर होने लगे है। इस स्थिति में किसानों को आर्थिक कठिनाईयाँ भी झेलना पड़ रही है। इस तरह प्रकृति की मार झेल रही किसान आसमान पर छाने वाले बादलों को देखकर सुखमन से रोटी तक नही खा पा रहा है। क्योंकि दिसम्बर जनबरी माह चना, मसूर सहित इस सीजन की फसलों के लिये प्रमुख माना जाता है और इन महिनों में पड़ने वाली ठंड के चलते ही फसलों की जिन्दगी निर्धारित होती है। मगर आसमान में छाने वाले बादल जिस तरह ठंड में रूकावट पैदा कर रहे है वह निश्चित तौर से किसानों के लिये चिंता पैदा करते हुये दिखाई पड़ने लगे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय देखा जा रहा है कि जब किसानों द्वारा अपने खेतों में बोई गई चना, मसूर, गेंहू सहित अन्य फसलों का हाल इस तरह से बना हुआ है कि मौसम के मिजाज के कारण जहां अनेक प्रकार की बीमारियों की चपेट में आ रहे है तो दूसरी ओर उन्हें जंगली जानवर द्वारा तो लगातार क्षति पहुंचाई ही जा रही है जिनकी सुरक्षा में किसान रात दिन अच्छी नींद लेकर सो तक नही पा रहे है तो दूसरी ओर प्रकृति द्वारा की जा रही खिलबाड़ किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीर निकाल रहा है। इस प्रकार से लगातार बन बिगड़ रहे मौसम से फिर क्षेत्र के किसानों को इस बात की चिंता सताने से नही चूक रही है कि कही ऐसा न हो कि उनके खेतों में हरियाली से लहलहाती हुई फसलों पर फिर प्रकृति की मार न पड़ जावे और क्षेत्र का किसान बर्बादी की कगार पर पहुंच जावे? इस संबंध में जब क्षेत्र के किसानों से हमारी हरिभूमि टीम से चर्चा की गई तो क्षेत्र के ग्राम महगंवा निवासी युवा कृषक शैलेन्द्र कौरव के अनुसार इस वर्ष प्रकृति ने जिस प्रकार से खेल खेला गया है उसके चलते निश्चित किसानों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा है। क्योंकि जब किसानों द्वारा अपने खेतों में सोयाबीन व धान फसल लगाई गई थी उस समय जब जरूरत थी उस दौरान अच्छी बारिश नही हुई जिससे सोया बीन सहित धान की फसल काफी हद तक प्रभावित हो जाने के बाद किसानों को उम्मीद थी कि इस सीजन में प्रकृति साथ देगी। मगर इस समय जिस प्रकार से प्रतिदिन मौसम बन बिगड़ रहा है उससे लगा रहा है कि आब किसानों को बर्बाद होने से कोई नही बचा पायेगा। इसी प्रकार से ग्राम भौरझिर निवासी कृषक तुलसीराम राठौर का कहना है कि ठंड का मौसम स्वास्थ्य और फसलो के लिए बेहतर माना जाता है। मगर आसमान में लगातार छाने वाले बादलों के कारण इस वर्ष फसलों के लिये काफी दुखदायी साबित हो रहा है। क्योंकि बादलों के रहने से फसलें अनेक प्रकार की बीमारियों की गिरफ्त में आते आ रही है और इसी कारण खेतों में तैयार हो रही फसलों में अनेक प्रकार की बीमारियाँ लगने के कारण उनकी सुरक्षा को लेकर किसान लगातार कर्ज उठाते हुये लागत लगा रहा है। वही ग्राम भौरझिर ही निवासी कृषक चौधरी ब्रजेश सिंह कौरव का कहना है कि पिछले रबी, खरीफ फसल सीजन में प्राकृतिक आपदा से क्षेत्र के किसानो की फसलों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था। मगर जैसे तैसे साधनों की व्यवस्था कर किसानों ने सही समय पर रबी फसलों की बोवनी की थी और कुछ किसानों की अभी समय पर खाद नही मिल पाने के कारण चल रही हे पर वर्तमान समय में बादलों के उपद्रव ने क्षेत्र के किसानों को फिर चिंता में डाल दिया गया है। इसी प्रकार से ग्राम बांसखेडा निवासी युवा कृषक महेश पटैल का कहना है कि क्षेत्र का किसान मुश्किलों के प्रहार तो किसी तरह झेल लेता है। मगर मौसम की मार उसके लिए असहनीय होती है। पहले क्षेत्र का किसान प्राकृतिक आपदा से पीडित हुआ है, इसके उपरांत क्षेत्र के किसानों ने बड़ी मेहनत से रबी सीजन की फसलो की बोवनी अपने खेतो में की थी। मगर इन दिनों मौसम का किसानों को बिल्कुल साथ न देने से क्षेत्र का किसान उदास होने से इसलिये नही चूक पा रहे है क्योंकि किसानों द्वारा खून पसीना एक करते हुये तैयार की जाने वाली मेहनत पर चंद मिनिटों में पानी फेर देता है।

सालीचौका क्षेत्र में लगातार बढ रहे नशे के काले कारोबार पर अंकुश लगना जरूरी

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

इन दिनों सालीचौका क्षेत्र की स्थिति इस तरह देखने मिल रही है कि इस क्षेत्र में मादक पदार्थो का अवैध कारोबार लगातार अपनी गति पकड़ने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। बताया जाता है कि शराब के बाद क्षेत्र में अन्य नशीली चीजो की बिक्री में इजाफा होने से युवा पीढ़ी बर्बाद होने की कगार पर आने लगी है? नगर में आसानी से मिलने वाली महॅगी सिगरेटो के फूॅकने के दौरान युवाओं, किशोरो का लगभग नियमित मदिरा पान करने से घरो का माहौल बिगड़नें की जहां शुरूआत हो गयी है। वही शहरवासी भी शहर के युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आने लगे है। भरोसे मंद सूत्रो के अनुसार इन दिनों नशे के कारोबार में नया मोड़ आ गया है तथा तत्वो द्वारा स्मैक तथा अन्य ऐसे नशीले पदार्थ भी बेचे जाने लगे है? जिनका उपयोग युवाओं के घातक है, मगर इसके बाद भी बताया जात है कि इन पदार्थो का पहली बार प्रयोग करने के बाद गरीब, युवा इसके आदी हो जाते है और इन नशीली चीजो के न मिलने से उनका शरीर छटपटाने लगता है, विदित हुआ है कि आजकल युवक बेधड़क नशीली दवाओं व इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रहे है और कथित तौर पर नशा करने के लिए उनकी तरफ डबल रोटी के स्लाईस पर आयोडेक्स भी खाया जा रहा है, जागरूक क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शायद पुलिस लिखा पढ़ी सें बचने नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने प्रयास नही कर रही है, जिसका नतीजा है कि नशीली चीजें बिकने से नगर का वातावरण खराब होने के साथ अधिकतर वे युवा बर्बादी की राह पर कदम बढ़ा रहे है जिनके कंधो पर बूढ़े मॉ, बाप, भाई, बहिनो की देख भाल की सीधी जिम्मेदारी है, फिलहाल शहर में नशीली चीजो की बिक्री की रोकथाम की गुहार उठने लगी है, जिसे गंभीरता से सुन पुलिस को अब नशीली चीजो के विक्रय पर रोक लगाना जरूरी हो गया है।

नगर में फैली फाईनेस कंपनियों द्वारा धडल्ले से आमजन की जेबों पर डाला जा रहा डाका, प्रशासन की चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

क्षेत्र के नेताओं द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयासों का परिणाम है कि गाडरवारा क्षेत्र प्रगति पर तो दिखाई दे रहा है और इसी प्रगति के चलते आज नगर सहित क्षेत्र में व्यापार व अन्य व्यवस्थाओं में भी इजाफा होने लगा है और नगर में अनेक प्रकार की बड़ी बड़ी दुकानों के साथ साथ अन्य प्रतिष्ठान भी खुलते चले जा रहे है, जिसके चलते लोगों की सुविधाएं प्रदान करने के नाम पर नगर में अनेक छोटी बड़ी बैकों द्वारा अपनी ब्रांच खोली जा रही है वही दूसरी ओर अनेक प्रकार की फाईनेंस कंपनियों ने भी अपने पैर जमा लिये गये है। इस प्रकार से दिनों दिन अपने पैर जमा रही इन फाईनेंस कंपरियों की सच्चाई को लेकर जहां अनेक प्रकार के संदेह पैदा होते हुये जान पड़ रहे है। क्योंकि नगर में जहां तहां स्थापित होने जा रही निजी फाईनेस कंपनियों के संबंध में शायद ही कभी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनकी सच्चाई जानने का प्रयास किया गया हो और इसी का परिणाम है कि यह फाईनेस कंपनियों द्वारा क्षेत्र के भोले भाले लोगों को गुमराह करते हुए उनकी जेबों पर डाका डालने से भी नही चूक रही है? यह अलग बात है कि पूर्व में हमारे जिले के नेताओं से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा वाही लूटने के उद्देश्य से जिलो को पूर्ण साक्षर होने का खिताब जरूर दिला दिया गया है। मगर आज भी शहर से लेकर गांवों में निवास करने वाले अनेक लोग इस प्रकार से जिन्हें अंगूठा लगाते हुये देखा जाता है और इस समय जहां तहां चल रहे अंग्रेजी के बोल बाला ने तो स्थानीय स्तर पर पढ़ाई करने वाले युवाओं को भी गुमराह होने के लिये मजबूर कर दिया गया है। इस सच्चाई का लाभ बाहर से आने वाली इन निजी फाईनेस कंपनियों द्वारा धडल्ले से उठाया जा रहा है? बताया जाता है कि नगर में

संचालित होने वाले अनेक बड़े बड़े प्रष्ठिानों द्वारा अपने सामग्री बेचने के लिये इन निजी फाईनेस कंपनियों से जुगलबंदी जमाते हुये जहां दुकानदारों द्वारा अपनी सामग्री का विक्रय करते हुये आमजन को फाईनेस करा दिया जाता है और बाद में इन कंपनियों द्वारा जिस प्रकार से आम लोगों की जेबों पर डागा डाला जाता है इस बात की सच्चाई इस समय नगर में अनेक उन लोगों से चर्चा करने के दौरान मिल रही है जिन्होंने नगर की दुकानों से खरीदी गई सामग्री को फाईनेस कराया गया है? इस संबंध में मिल रही जानकारी के अनुसार नगर में जहां तहां स्थापित हुई बाहरी फाईनेस कंपनियों द्वारा नगर के बडे बड़े शोरूमों की शह पर धडल्ले से आम लोगों को लूटने में कोई कसर नही छोड़ रही है। मगर इस ओर न तो प्रशासन द्वारा कोई ध्यान दिया जा रहा है और और नही पुलिस द्वारा जिसका परिणाम है कि नगर सहित क्षेत्र के गांवों में अनेक लोग इन फाईनेस कंपनियों के शिकार होते हुये आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर हो चुके है? बताया जाता है कि जब कोई व्यक्ति किसी बड़ी शोरूम या दुकान पर कोई सामग्री खरीदने के लिए पहुंचता है तो दुकान की संचालक या उसके कर्ताधर्ताओं द्वारा अपने ग्राहक से खुले शब्दों में कहा जाता है कि यह सामग्री उन्हें फाईनेस करा दी जावेगी और उसमें कोई परेशानी नही होगी इस प्रकार से बडे बड़े शोरूमों का संचालन करने वाले कर्ताधर्ताओं के बातों में जब लोग फस जाते है तो वह खुद की फाईनेस कंपनियों के लोगों बुलाते हुये अपनी सामग्री विक्रय करते हुये ग्राहक को आसान किस्तों पर भुगतान करने की सुविधा तो दिला दी जाती है और इसके बदले में ग्राहक से चेंक बुक और अन्य जरूरी दस्तावेजों में हस्ताक्षर ले लिये जाते है और इसके बाद शुरू हो जाता है इन फाईनेस कंपनियों द्वारा लूटने का कार्य जिसके चलते आम उपभोक्ता को सामग्री खरीदते समय फाईनेस के नाम पर बताई गई सच्चाई से संपूर्ण विपरित कार्य शुरू हो जाता है जब कोई उपभोक्ता अपनी किस्त रूपी राशि जमा करता है तो इन फाईनेस कंपनी द्वारा न तो उस जमा राशि के बदले कोई रसीद प्रदान की जाती है और न ही ऐसा कोई पुरूप दिया जाता है जिससे उपभोक्ता यह बात साबित कर सके कि उसके द्वारा इतना भुगतान किया जा चुका है..? जब उपभोक्ता द्वारा फाईनेस के रूप में राशि बसूलने व बाकी के संबंध में फाईनेस कंपनी के संचालकों से चर्चा करता है तो उसके द्वारा जमा किये जाने वाली राशि के बाद भी जो बाकी निकलता है उसे सुनकर उसके पैरो तले से जमीन गायब होते हुई इसलिये दिखाई देने लगती है कि जो सामग्री उसके द्वारा खरीदी गई थी और दुकानदार द्वारा जो रेट बताया गया था उससे काफी अधिक हो जाती है और इस संबंध में जब वह सामग्री विक्रय करने वाले शोरूमों या फिर दुकानदार से चर्चा करता है तो वहां से उसे एक ही जबाव मिलता है कि भाई अब इसमें हम कुछ नही कर सकते है इस संबंध में तो फाईनेस कंपनी वाले ही जाने? यदि कोई व्यक्ति किसी फाईनेस कंपनी की शिकायत करने की हिम्मत जुटाने का प्रयास करता है तो फाईनेस कंपनियों द्वारा उसके सामने वह चेक बुक पेस कर दी जाती है जिसके चेकों पर बगैर तारीख व बगैर राशि के हस्ताक्षर कराने के साथ साथ वह अंग्रेजी वाले दस्तावेज पेश कर दिया जाते है जिन्हें कम पढ़े लिखे हुये नगर के व्यक्ति द्वारा दुकानदानों की लच्छेदार बातों में आकर फाईनेस कपंनी को सौप दिये गये होते है? इस प्रकार से नगर में धडल्ले से अनेक निजी कंपनियों द्वारा आम लोगों की जेबों पर डाका डालते हुये देखा जा रहा है, जिसके चलते आम लोग शोरूम संचालको व फाईनेस कंपनियों की मिली भगत के चलते अपने आपको लुटा हुआ महसूस करने से नही चूक रहे है?

सड़कों के किनारे लगातार बढ़ रही अतिक्रमण के चलते बन रही दुर्घटनाओं की संभावनाएं, प्रशासन बना अनजान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस समय नगर में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण की सच्चाई इस प्रकार से देखी जा रही है कि नगर में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर जिसे जहां मर्जी हो रही है वहां पर अपना कब्जा जमाने से नही चूक रहा है, इस प्रकार से नगर की मुख्य माने जाने वाली सड़कों के किनारे लोगों द्वारा अपने स्वार्थ को ध्यान में रखते हुये किये जाने वाला अतिक्रमण आम लोगों की जिन्दगी के लिये पूर्ण रूप से खतरा साबित होने से नही चूक रहा है, मगर इस सच्चाई को जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है वह चिंता जनक सच्चाई उजागर करने से नही चूक पा रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के प्रमुख माने जाने वाले वायपास मार्ग पर रिलांइस पेट्रोल पंप के पास देखा जा रहा है, जहां पर बताया जाता है कि किसी पंचर सुधारने वाले व्यक्ति द्वारा किया गया अतिक्रमण निश्चित ही किसी दिन कोई बड़ी घटना को अंजाम देने से नही चूक पायेगा? क्योंकि जिस

जगह यह अतिक्रमण करते हुये दुकान बनाई गई है, उसी जगह वाहनों की आवाजाही के लिये प्रमुख स्थल इसलिये मानी जाती है कि जो वाहन कौड़िया की ओर से आता है वह घाट होने के कारण तेज गति से दौड़ते हुये आने से नही चूकता है, वही दूसरी ओर पेट्रोल पंप से जब कोई वाहन डीजल या पेट्रोल लेकर जब कौड़िया की ओर जाता है तो इस अतिक्रमण के चलते सामने से आने वाला वाहन उस समय तक दिखाई नही पड़ता है जब तक वह मुख्य मार्ग पर नही पहुंच जाता है और मुख्य मार्ग पर पहुंचते ही जब दूसरी ओर से तेज गति से आने वाले वाहन आमने सामने होते है तो वाहन को रोक पाना मुश्किल होने से नही चूकता है? वही दूसरी ओर जब इस दुकान पर कोई व्यक्ति पंचर जुडवाने या फिर हवा भरवाने के लिये रूकता है तो उसे भी मुख्य सड़क पर ही अपना वाहन खड़ा करना पड़ता है, इस स्थिति के चलते निश्चित ही यहां पर हुआ अतिक्रमण किसी दिन कोई बड़ी घटना का कारण बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? मगर इस सच्चाई को प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते यह जान पड़ने से नही चूक पा रहा है कि शायद प्रशासन में बैठे हुये अधिकारी ही किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हो?

खबर संक्षेप

'हम होंगे कामयाब पखवाड़ा" कार्यक्रम का हुआ समापन

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया

डिंडोरी। जिले में ''हम होंगे कामयाब पखवाड़ा" के तहत जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान में 16 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किये गए। जिसका आज समापन कार्यक्रम कलेक्ट्रेसट सभाकक्ष डिण्डौरी में किया गया। कलेक्टर हर्ष सिंह ने विभाग द्वारा चलाये जा रहे अभियान एवं जागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा की और ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार हेतु गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए। मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनिल राठौर ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं कार्यकर्ताओं से वार्तालाप की और मैदानी स्तर किये गए कार्यों का मूल्यांकन किया। उन्होंने संचालित सभी अभियानों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने हेतु उनका उत्साहवर्धन किया। आज समापन कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्याम सिंगौर द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रशासक वन स्टॉप सेन्टर श्रीमती नीतू तिलगाम द्वारा जेंडर समानता, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह के दुष्परिणाम, हम होंगे कामयाब पखवाड़ा, पॉक्सो एक्ट 2012, चाइल्ड लाइन (1098), वन स्टॉप सेंटर (सखी), महिला हेल्प लाइन (181) के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। पर्यवेक्षकों के द्वारा भी हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अभियान में किये गये कार्यां से अपना अपना अनुभव साझा किया गया। इसी तारतम्य में कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं महिलाओं को बाल विवाह रोकने एवं जेंडर समानता को बनाए रखने के लिए एक जागरूकता रैली के साथ शपथ भी दिलाई गई।

छिंदगांव जलाशय का किया निरीक्षण कलेक्टर

डिंडोरी। कलेक्टर हर्ष सिंह ने आज बुधवार को छिंदगाव जलाशय का निरीक्षण किया। कलेक्टर हर्ष सिंह ने लिफ्ट इरीगेशन, ग्रेविटी इरीगेशन, केचमेंट एरिया, जल वितरण आदि के संबंध में जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि छिंदगाव माइनर सिंचाई परियोजना है, जलाशय में नहर के लिए गेट लगने का कार्य शेष है,जिस पर कार्य प्रारम्भ कर दिया है। कलेक्टर सिंह ने कार्य में गुणवत्ता का ध्यान रखने और शेष कार्यों को पूरा करने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम डिंडोरी रामबाबू देवांगन, कार्यापालन यंत्री जल संसाधन विभाग एस.के. शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

जनजातीय कार्य आयुक्त ने संलग्नीकरण पर लगाई रोक

अनूपपुर। जनजातीय कार्य मध्यप्रदेश के आयुक्त ने 10 दिसंबर को संलग्नीकरण समाप्त करने आदेश जारी किया है। जिसमे समस्त संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास, समस्त सहायक आयुक्त/जिला संयोजक, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास को लेख किया गया है कि मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के स्पष्ट निर्देश है कि संभाग/ जिला स्तर पर कर्मचारी/अधिकारियों/शिक्षक संवर्ग का संलग्नीकरण नहीं किया जाये। इसी प्रकार प्रतिबंध अवधि में बिना सक्षम अनुमोदन के स्थानांतरण नहीं किये जायें, परन्तु संज्ञान में आया है कि विभागीय संभागीय उपायुक्त / सहायक आयुक्त/जिला संयोजक, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास द्वारा अपने स्तर पर उपरोक्तानुसार संलग्नीकरण/ स्थानांतरण किये गये हैं जो नियमानुसार नही हैं। अतः उपरोक्त समस्त संलग्नीकरण/ स्थानांतरण तत्काल समाप्त/निरस्त कर संलग्न प्रारूप में 16 दिसंबर तक तक प्रमाण-पत्र उपलब्ध करावें।

गुणवत्ताहीन चैकडेम से हो रहा पानी का रिसाव

जनपद पंचायत डिंडौरी अंतर्गत ग्राम पंचायत औरई का मामला

डिंडौरी। जनपद पंचायत डिंडौरी के ग्राम पंचायत औरई में निर्माण कार्यों में जमकर अनियमितताएं बरती गई है। चौकडेम ,पुलिया समेत सभी प्रकार के निर्माण कार्यों में भृष्टाचार करते हुए लाखो रु का बंदरबांट किया जा रहा है। दरअसल ग्राम पंचायत औरई में सरपंच सचिव और उपयंत्री के द्वारा अपने चहेते ठेकेदार के माध्यम से चौकडेम का निर्माण कराया गया है। ठेकेदार के द्वारा मापदंड के विपरीत कराने के चलते चौकडेम भृष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। बताया गया कि ठेकेदार के द्वारा निम्न स्तर की सामग्री का उपयोग किया गया है। कांक्रीट के दौरान कम मात्रा में रेत,सीमेंट डाला गया है,जिसके चलते गिट्टियां उखड़ने लगी है और पानी का रिसाव हो रहा है।

ये रहा पूरा मामला

मामला जनपद पंचायत डिंडौरी अंतर्गत ग्राम पंचायत औरई का है, जहां ग्राम पंचायत के द्वारा चानी टोला के किरहा नाला में ग्राम पंचायत के द्वारा लाखों रुपए खर्च कर चौकडेम का निर्माण कराया गया,लेकिन इतना घटिया स्तर का बनाया गया है, कि चंद दिनों में ही निर्माण कार्य में हुये भ्रष्टाचार की पूरी पोल खुल गई है। बता दें कि लाखों रुपए की लागत से निर्मित चौकडेम की दीवार से पानी तेजी से लीक होकर बह रहा है।

घटिया और गुणवत्ताविहीन निर्माण के बावजूद हो गया भुगतान

अब सवाल यह उठता है कि जब सरपंच,सचिव और उपयंत्री को पता है कि चौकडेम का निर्माण मापदंड की विपरीत और घटिया हुआ है तो मूल्यांकन नहीं करना था और भुगतान रोक देनी थी, लेकिन अपने चहेते ठेकेदार को लाखों रुपए का भुगतान कर लाभ पहुंचाया गया है। वहीं चैकडैम की दुर्दशा देखकर कहना गलत नहीं होगा कि सरपंच, सचिव और उपयंत्री मिलीभगत कर अपने चहेते ठेकेदार को आर्थिक लाभ पहुंचाने की मंशा से शासन को लाखों रुपए का चपत लगाया जा रहा है। शायद यही वजह कि उपयंत्री राजाराम पटेल के द्वारा लाखों रुपए की लागत से निर्मित चौकडेम में तबज्जो नहीं दिया जा रहा है। जिसका ठेकेदार खुलकर फायदा उठा रहे है।

किसानों के लाभ देने के उद्देश्य से बनाया गया चौकडेम

उल्लेखनीय है कि ग्राम औरई में पानी की किल्लत को देखते हुए भू-जलस्तर बढ़ाने के उद्देश्य से चौकडेम निर्माण स्वीकृत किया गया। इसके लिए लगभग 12 लाख रुपए स्वीकृत कर पंचायत द्वारा इसका निर्माण कराया गया, लेकिन इसका निर्माण बेहद घटिया स्तर का और मापदंड की विपरीत कराते हुए अनियमितता बरती गई, जिसका लाभ अब किसानों को नहीं मिल पायेगा। चंद दिनों पूर्व इसका निर्माण कराया गया है, लेकिन जैसे ही बारिश शुरू हुई, वैसे ही निर्माण कार्य की कलई खुल गई।

चैकडेम बनाकर बारिश के पानी को रोकना मुख्य उद्देश्य

सरकार की मंशा है कि डैम निर्माण कर बारिश के पानी को एकत्रित कर सके, ताकि गर्मी के दिनों में ग्रामीणों का इसका लाभ मिल सके,लेकिन घटिया निर्माण के चलते पानी का तेजी से रिसाव हो रहा है। बता दे कि अंदर का हिस्सा भी साफ दिखाई दे रहा है, जिसमें सीमेंट का नामोनिशान नहीं है। वहीं डैम की बाहरी दीवार की भी कंक्रीट निकलने लगी है। बरहाल कुछ ही दिनों में लाखों रुपए की लागत से निर्मित चौकडैम अनुपयोगी साबित हो जाएगा और शासन के लाखों रुपए पानी में बह जाएगा।साथ ही भू-जलस्तर बढ़ाने में भी यह पूरी तरह से नाकाम ही साबित होगा।

इनका कहना है

मामले की जांच कराई जाएगी और यदि चौकडैम निर्माण में गड़बड़ी पाई गई,तो वसूली और वित्तीय अनियमितता करने की कार्रवाई की जाएगी।

निखलेश कटारे
सीईओ जंप.डिंडौरी

जमा राशि दोगुना करने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी

विशेष न्यायाधीश ने सुनाया आरोपी के विरुध्द 21 लाख 01 हजार रूपये अर्थदण्ड की सजा

अर्थदंड की राशि जमा नही करने पर 5 साल 3 माह अतिरिक्त सजा भुगताये जाने का आदेश पारित

डिंडौरी । अभियोजन अधिकारी द्वारा बताया गया कि, थाना शहपुरा के अप0क्र0 404ध्2017 एवं सत्र प्र0क्र0 02ध्2022 के आरोपी रामननिवास पाल पिता अंदग पाल उम्र 47 वर्ष निवासी 407 चतुर्थ तल नंदिनी अपार्टमेंट मुरार रोड, ग्वालियर के द्वारा दोगुना पैसा देने का झांसा देकर पैसा जमा कराने एवं पैसा वापस न करने के मामले में सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश म.प्र. निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम द्वारा आरोपी रामननिवास पाल पिता अंदग पाल उम्र 47 वर्ष निवासी 407 चतुर्थ तल नंदिनी अपार्टमेंट मुरार रोड, ग्वालियर को धारा 420 भादवि के अपराध के लिए 07 वर्ष सश्रम कारावास एवं 05 लाख रूपये अर्थदण्ड, धारा 467 भादवि के अपराध के लिए 10 वर्ष सश्रम कारावास एवं 05 लाख रूपये अर्थदण्ड, धारा 468 भादवि के अपराध के लिए 07 वर्ष सश्रम कारावास एवं 05 लाख रूपये अर्थदण्ड, धारा 471 भादवि के अपराध के लिए 07 वर्ष सश्रम कारावास एवं 05 लाख रूपये अर्थदण्ड, धारा-3 म.प्र.निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधि. 2000 के लिए 03 माह सश्रम कारावास एवं 1000ध्- रूपये अर्थदण्ड एवं धारा-6(1) म.प्र. निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2000 के अपराध के लिए 01 वर्ष सश्रम कारावास एवं 01 लाख रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया । अर्थदण्ड की राशि अदा नहीं किए जाने क्रमशरू पर 01 वर्ष, 01 वर्ष , 01 वर्ष, 01 वर्ष, 01 माह एवं 03 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगताये जाने का आदेश पारित किये गये ।

आरबीएन चिटफंड कंपनी ने झांसा देकर सैकड़ों लोगों को ठगा

शहपुरा थाने में पीड़ति ने उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि, मैं रमपुरी थाना शहपुरा जिला डिण्डौरी का रहने वाला हूँ, यह कि सन 2014 में आर.बी.एन. इन्फ्रास्टेक्चर लिमिटेड कम्पनी के कार्यकर्त्ता कैलाश साहू निवासी मण्डला, दुर्गेश नंदा निवासी मण्डला के हम क्षेत्रवासीयों को प्रलोभन देते हुये बोले कि आर.बी.एन. लिमिटेड कम्पनी में मासिक, त्रिमासिक, छरूमाही, वार्षिक राशि जमा करने पर पांच साल में दोगुनी राशि मिल जायेगी । जो बताये अनुसार उक्त कम्पनी के ऑफिस डिण्डौरी में दिनांक 30ध्04ध्14 को 25 हजार रूपये ब्रान्च मैनेजर के पास जमा किया था, जिसका मुझे पालिसी बण्ड दिया गया है एवं क्षेत्रवासी व अन्य लोगों ने आर.बी.एन.कम्पनी में करीब 02 करोड रूपये जमा किये है । दिनांक 25ध्02ध्15 से आर.बी.एन.के संचालक रामनिवास पाल निवासी 402 चतुर्थ तल नंदनी आपर्टमेंट मुरार रोड ग्वालियर, एम0डी0 अशोक पाल निवासी 402 चतुर्थ तल नंदनी आपर्टमेंट मुरार रोड ग्वालियर, ब्रान्च मैनेजर राजेन्द्र कार्तिक निवासी पुरानी डिण्डौरी झुरकी टोला, कार्यकर्त्ता दुर्गेश नंदा निवासी मण्डला, कैलाश साहू निवासी मण्डला के मिलकर धोखाधडी करते हुये उक्त ब्रान्च को बंद कर करीब 02 करोड रूपये की राशि गबन कर दिये है और जमा की गई राशि व दोगुनी राशि नही दे रहे है । पीड़तिों मि शिकायत पर शहपुरा पुलिस ने मामलें में सघनता से जांच की गई, विवेचना में संकलित साक्ष्य के आधार पर अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था ।तदुपरांत अभियोजन के साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होते हुए माननीय विशेष न्यायाधीश म.प्र. निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम डिण्डौरी द्वारा उपरोक्तानुसार दण्ड से दण्डित किया गया है।

सहकारिता विभाग के प्रदेश प्रतिनिधि के पद पर दुबारा निर्विरोध निर्वाचित हुए अमित दुबे

डिंडोरी। डिंडौरी मुख्यालय के कोणार्क गार्डन में मंगलवार को मप्र सहकारिता कर्मचारी महासंघ भोपाल की जिला इकाई डिंडौरी में पदाधिकारियों के चयन के लिए मंगलवार को चुनाव प्रक्रिया का आयोजन किया गया। इस मौके पर चुनाव अधिकारी संत कुमार चंदेल की उपस्थिति में गोरखपुर लेम्पस में समिति प्रबंधक अमित दुबे को सर्व सम्मति से निर्विरोध दुबारा प्रदेश प्रतिनिधि के रुप में चयन किया गया । वहीं जिला अध्यक्ष के लिए अंबिका पांडे तथा जिला उपाध्यक्ष पर नंदकुमार साहू को चुना गया , प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश प्रतिनिधि के लिए घसीटा लाल साहू मेंहदवानी ने प्रस्तुत पेश किया जबकि शिवकुमार रजक रैपुरा ने समर्थन किया।चुनाव पश्चात नये पदाधिकारियों का स्वागत समारोह करते हुए विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं ।इस दौरान जिले के समस्त विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

जिले की लाड़ली बहना योजना के तहत राशि अंतरित की गई

डिंडोरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यआतिथ्य में लाल परेड ग्राउंड भोपाल में आयोजित मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 की लाभार्थी महिलाओं को सिंगल क्लिक से माह दिसम्बर 2024 की मासिक आर्थिक सहायता राशि अंतरण किया गया। उक्त कार्यक्रम का लाईव प्रसारण एनआईसी कक्ष एवं कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। जिसमें कलेक्टर हर्ष सिंह, सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्याम सिंगौर सहित परियोजना डिंडौरी की लाड़ली बहनों ने सीधा प्रसारण को देखा व सुना। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंगौर ने बताया कि आज लाडली बहना योजना के तहत कुल 1,33,420 लाड़ली बहनों के खाते में 1250-1250 रूपए अंतरित किया गया।

गीता महोत्सव के तहत शारदा मां गौशाला करौंदी में किया गया गौपूजन

डिंडोरी। मध्यप्रदेश शासन के द्वारा पूरे प्रदेश में गीता जयंती पर गीता महोत्सव का कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसी सिलसिले में शासन के निर्देशानुसार डिण्डौरी जिले के शहपुरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम करौंदी स्थित शारदा मां गौ सेवा समिति द्वारा शासकीय गौशाला में गीता महोत्सव के उपलक्ष्य में गौपूजन कार्यक्रम रखा गया। जिसमें गौवंश का पूजन-अर्चन किया गया एवं पकवान खिलाया गया। इस दौरान शारदा मां गौ सेवा समिति अध्यक्ष टेकेश्वर साहू, रजनी साहू, छविश्री साहू ,रूचिश्री साहू, गौसेवक हरिलाल बनवासी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

धान उपार्जन केंद्र जोगीटिकरिया और धमनगांव का कलेक्टर किया निरीक्षण

डिंडोरी । कलेक्टर हर्ष सिंह ने खरीफ उपार्जन 2024 25 के तहत किये जा रहे उपार्जन के संबंध में धान उपार्जन केंद्र जोगीटिकरिया और धमनगांव का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र पर कृषकों के लिए की गयी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और तौल, बोरी पैकिंग, भण्डारण, स्लॉट बुकिंग, धान की आवक, ढुलाई आदि की जानकारी ली। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने सर्वेयर से आ रहे उत्पाद की गुणवत्ता, धान में नमी आदि के सम्बन्ध में जानकारी ली। उन्होंने आवक में वृद्धि एवं मौसम के अनुसार उचित उपाय सुनिश्चित करने के लिए सम्बंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। उक्त निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार राठौर, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, जिला आपूर्ति अधिकारी ए.के. श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने विभागवार प्रगतिरत कार्यों की ली समीक्षा बैठक

डिंडोरी । कलेक्टर हर्ष सिंह ने आज बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागवार प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक ली। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अनील कुमार राठौर, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, एसडीएम बजाग सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक सहित सभी संबंधी विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। कलेक्टर हर्ष सिंह ने एमपीआरडीसी, पीएमजीएसवाय, एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि, 15 वें वित्त आयोग और आरईएस के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभागों के विकास कार्यों के तहत किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली, जिसमें कुण्डम से शहपुरा, शहपुरा से डिंडौरी, डिंडौरी से सागरटोला सड़क निर्माण से सम्बंधित पुलिया, पुल निर्माण कार्य, पीएमजनमन के तहत निर्माण की जा रही सड़क, निर्माणाधीन स्कूल कॉलेज भवन, छात्रावास, आंगनबाडी, भूमि अधिग्रहण, सिंचाई परियोजना, कायाकल्प 2.0,अमृत 2.0,पीएमस्वनिधि आदि की जानकारी ली। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने 15वें वित्त आयोग के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की, जिसमें कार्य प्रगति धीमी होने के कारण उन्होंने सहायक परियोजना अधिकारी जिला पंचायत को नोटिस देने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने लंबित चल रहे कार्यों को पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया।

महाकुंभ मेले के लिए चलेगी तीन स्पेशल ट्रेन

अनूपपुर। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान संगम में स्नान करने के लिए प्रयागराज आने वाले यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान की जाए, इस उद्देश्य से रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। महाकुंभ के दौरान रेलवे के दौरान 3000 स्पेशल गाडियाँ सहित 13000 से अधिक रेल गाडियाँ चलाई जाएंगी। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से तीन कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। महाकुंभ मेले के दौरान ट्रेन में होने वाली अतिरिक्त भीड़-भाड़ के दौरान रेल यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ/सीट की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा तीन कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जो रायगढ़-वाराणसी, दुर्ग-वाराणसी एवं बिलासपुर-वाराणसी के मध्य तीन फेरे के लिए चलाई जा रही है। 08251/08252 रायगढ़-वाराणसी-रायगढ़ कुंभ मेला स्पेशल, 08791/08792 दुर्ग-वाराणसी-दुर्ग कुंभ मेला स्पेशल एवं 08253/08254 बिलासपुर-वाराणसी-बिलासपुर कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन व्हाया बिलासपुर, कटनी, प्रयागराज के मार्ग से चलाई जा रही है।

उत्कृष्ट सेवा दिवस के रूप में मनाया कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन

अनूपपुर। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान के नेतृत्व में युवा कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर गरीब जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किया गया। सर्वप्रथम युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान दोपहर के समय जिला मुख्यालय अनूपपुर के प्रमुख रेलवे स्टेशन अनूपपुर जंक्शन पहुंच युवा कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों के साथ रेलवे स्टेशन के आसपास व स्टेशन में मौजूद गरीब असहाय तथा जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया। तत्पश्चात विधानसभा क्षेत्र कोतमा अंतर्गत रेलवे स्टेशन कोतमा पहुंच पूर्व विधायक मनोज कुमार अग्रवाल के साथ शाम के समय कोतमा स्टेशन में भी गरीब, असहाय व जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का गौरवमयी स्वर्णिम इतिहास रहा है, कांग्रेस की इसी गौरवशाली परंपरा का निर्वहन करते हुए सोनिया गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मुख त्याग और बलिदान का उदाहरण पेश किया उनका आशीर्वाद एवं मार्ग दर्शन हमें सदैव मिलता रहेगा। जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान ने कहा कि सभी कांग्रेसजनों को सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी और देश की मजबूती के लिए संकल्पबद्ध होना चाहिए। सोनिया गांधी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में केंद्र की यूपीए सरकार ने अपने 10 वर्ष के कार्यकाल में गरीब, किसान, मजदूर और आम आदमी के हितों की रक्षा के लिए कार्य किया। मनरेगा, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, खाद्य सुरक्षा योजना जैसी लोक कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया। सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने नई ऊंचाइयों को छुआ है तथा आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी सोनिया गांधी व राहुल गांधी के नेतृत्व में और मजबूत होगी तथा एक बार पुनः केंद्र की सत्ता में भारी बहुमत के साथ सत्तारूढ़ होगी। उन्होंने सोनिया गांधी और कांग्रेस की नीतियों एवं दिशा निदेर्शों को जन जन तक पहुंचाने का सभी युवा कांग्रेस एवं कांग्रेसजनों से आह्वान किया। कंबल वितरण के दौरान जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान के साथ पूर्व विधायक मनोज कुमार अग्रवाल, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष राजेश जैन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजकुमार शुक्ला, संतोष मिश्रा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रफी अहमद, युवा कांग्रेस जिला महासचिव व जनपद अध्यक्ष राजीव सिंह, युवा कांग्रेस जिला महासचिव मानवेंद्र मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष मो. नदीम, युवा नेता जयप्रकाश पांडेय, एडवोकेट जीवन चौधरी, मनोज बर्मन, सागर पट्टवी, मो सफीर, शिव बर्मन, संदीप पयासी, विवेक यादव, राजा केवट तथा अन्य युवा कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

चोरी ऊपर से सीना जोरी

चोरी पकड़ने गए कनिष्ठ अभियंता से बिजली चोर ने की मारपीट, शिकायत दर्ज

अनूपपुर। वितरण केन्द्र राजेन्द्रग्राम मे विद्युत चोरी कर मोटर पंप लगाकर सिंचाई की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंचे कनिष्ठ अभियंता के साथ विद्युत चोरी करते रंगे हाथों पकड़े जाने पर बिजली चोर ने कनिष्ठ अभियंता से गाली गलौज करते हुए डंडे से मारपीट कर घायल करने का मामला सामने आया है। जिस पर कनिष्ठ अभियंता ने किसी तरह मौके से भाग कर अपनी जान बचाई और इसकी शिकायत राजेंद्रग्राम थाने में दर्ज कराई है।

पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मामले के संबंध मे राजेंद्रग्राम थाना प्रभारी वीरेंद्र बरकड़े ने बताया कि विद्युत वितरण केन्द्र राजेन्द्रग्राम के कनिष्ठ अभियंता लालमणि प्रजापति अपनी टीम के साथ विद्युत चोरी पकड़ने ग्राम थुरकी टोला बेलगवा पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान राजकुमार चंद्रवंशी के खेत में दो विद्युत पंप चलाए जा रहे थे। टीम ने इस संबंध राजकुमार से विद्युत कनेक्शन के दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई दस्तावेज पेश न कर सका। ऐसे मे टीम अवैध रूप से विद्युत मोटर चलाए जाने पर पंचनामा की कार्रवाई कर रही थी। इस दौरान राजकुमार ने आवेश में आकर शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए कनिष्ठ अभियंता से गाली-गलौज करने के साथ ही डंडे से मारपीट करने लगा. मारपीट में जूनियर इंजीनियर के हाथ में चोट आई है। उन्होंने सहयोगी स्टॉफ के साथ में थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 12 दिसंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

बगासपुर का मिनी स्टेडियम बना शराबियों का अड्डा

गोटेगांव। समीपवर्ती ग्राम पंचायत बगासपुर में निर्मित मिनी स्टेडियम के सामने स्थित परिसर को शराब का सेवन करने वालों ने अपना अड्डा बना रखा है। शाम होते ही इस स्थल पर शराबियों की महफ़िल जमने लगती है,क्योंकि पास ही शराब की दुकान होने से उनको रोक टोक करने वाला कोई नहीं रहता है। यही कारण है कि इस मिनी स्टेडियम के बाहरी हिस्से में उपयोग की गई सामग्री पूरी तरह से बिखरी पड़ी है। एक ओर पुलिस प्रशासन सार्वजनिक स्थल पर शराब पीने का प्रकरण तैयार कर रही है। वहीं दूसरी ओर बगासपुर के सार्वजनिक स्थल का उपयोग करने वाले शराबियों पर पुलिस की उदासीनता बनी है। जिसके कारण कोई कार्रवाई नहीं होने पर शराबखोरी में उपयोग की जाने वाली शराब की बोतल वहीं छोड़ कर चले जाते हैं जिसके कारण मैदान में पूरी तरह से बिखर रही है। खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिनी स्टेडियम का निर्माण किया गया था लेकिन जिम्मेदारो की लापरवाही के चलती शराबियों को बढ़ावा देने का स्थल बनता प्रतीत हो रहा है।

मंडल अध्यक्षों की रायशुमारी सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारतीय जनता पार्टी संगठन पर्व के अंतर्गत चल रहे संगठनात्मक चुनाव में आज जिले भर में 22 मंडल अध्यक्षों के लिए रायशुमारी का आयोजन मंडल मुख्यालयों पर किया गया जिसमें मंडल पर्व सहयोगी द्वारा बूथ अध्यक्षों से प्राप्त तीन नामों का पैनल प्रदेश को प्रेषित किया गया। इस अवसर पर बूथ अध्यक्षों का तिलक एवं पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत व सम्मान किया गया।

डॉ सिद्धार्थ तिगनाथ आत्महत्या मामले के आरोपी दोषमुक्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार धाकड़ की न्यायालय से सत्र प्रकरण क्रमांक 162/2021 धारा 306, 34 भा.द.वि. एवं 4 ऋणियो का संरक्षण अधिनियम 1937 में सभी अभियुक्तगणो को निर्दोष बरी कर दिया गया।
इस मामले में 22.4.2021 को टट्टा पुल पर डॉ. सिद्धार्थ तिगनाथ द्वारा ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस थाना कोतवाली नरसिंहपुर द्वारा प्रकरण दर्ज किया गया। मामले में आरोपियों पर आरोप था कि उन्होंने डॉक्टर सिद्धार्थ तिगनाथ को प्रताड़ित किया। आरोपियों ने खाली चेक लेकर दी गई राशि पर 20 से 80: ब्याज लिया।

गीता जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री श्री पटेल

कर्म पर जोर देना सिखाती है श्रीमद्भगवत गीता: पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम गोटेगांव में जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीकृष्ण की पूजा- अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर सांसद मंडला फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, विधायक महेन्द्र नागेश, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, साधु- संत, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी और नागरिक मौजूद थे। विश्व गीता प्रतिष्ठानम् के जिला प्रतिनिधि शशिकांत मिश्र का शाल श्रीफल व तुलसी माला से सम्मान किया।

पूरे संसार के लिए एक अद्भुत ग्रंथ है गीता

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि 8 से 11 दिसम्बर की अवधि में चलने वाले इस महोत्सव में हमें गीता के ज्ञान और इसके महत्व को जानने तथा व्यवहार में आत्मसात करने का अवसर मिला है। विरासत से विकास की संकल्पना के मूल विचार में सनातन परम्परायें, मान्यतायें और उसके कल्याणकारी सामाजिक परिणाम रहे हैं। इसी क्रम में गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध पक्षों और श्रीमद्भगवद गीता के सार्थक संदेशों से नागरिकों को अवगत कराना है। भगवान श्रीकृष्ण ने जीवन के रहस्य की जो बात श्रीमद्भगवद गीता में समझाई है, वह हम सभी के लिए पाथेय के रूप में है, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रासंगिक है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा जो बातें कहीं गई, वह आज भी सम-सामयिक है। श्रीमद्भगवद गीता आज भी पूरे संसार के लिए एक अद्भुत ग्रंथ है। व्यक्तित्व विकास की आधुनिक पुस्तकों में ऐसा कोई सूत्र नहीं जिसका वर्णन श्रीमद्भगवद गीता में न हो। श्रीमद्भगवद गीता भारतीय दर्शन और चिंतन का मूल आधार है।

आस्था का केंद्र मानकर करें गीता की पूजा

मंत्री श्री पटेल ने अपने जीवन से जुड़े कुछ वृतांत भी साझा किए।उन्होंने बताया कि वे नवरात्रि के पर्व पर मौन धारण करते थे।इस दौरान स्वामी विवेकानंद के साहित्य कर्म योग और राज योग का पाठ किया करते थे।मेरे आराध्य गुरु श्री श्री बाबा श्री जब परिक्रमा करके लौटे तब उनसे मुलाकात करने का अवसर मिला। कुछ ऐसी घटना घटित हुई जिससे मेरा मौन टूट गया। तब मैंने उनसे मुलाकात के दौरान मेरे मन में जिज्ञासावश जो सवाल थे पूछे। मेरे गुरु ने मुझसे कहा कि तुम क्या हो। मैंने जवाब में कहा कि मैं क्षत्रिय हूँ। तब गुरु ने मुझे उत्तर दिया कि क्षत्रिय का धर्म किसी भी स्थिति में साधक की रक्षा करना होता है। महात्मा गांधी ने अपने लेख में यह उल्लेख किया है कि जब भी वे जीवन की किसी विषम परिस्थिति में खुद को पाते थे तो वे गीता का पाठ करते थे। इससे उन्हें अपनी समस्या का समाधान विचार के रूप में प्राप्त होता था। मंत्री श्री पटेल ने यहाँ मौजूद बच्चों से कहा कि जब भी कभी जीवन में आप परेशानी महसूस करें तो गीता अवश्य पढ़े। हमने गीता को आस्था का केंद्र मानकर पूजा करनी शुरू की है किंतु इसके श्लोकों को अपनी समस्या के समाधान के रूप में खोजना भूल गए।

कर्म पर देना चाहिये ध्यान

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को इन धर्म ग्रंथों के बारे में जानना आवश्यक है। इनके ज्ञान से अपने व्यक्तित्व और भविष्य को बेहतर किया जा सकता है। भगवान श्रीकृष्ण ने जीवन को सफलता के लिए अपने धर्म के पालन और एकाग्रता के साथ कर्मशीलता पर ही बल दिया है। तुम्हारा अधिकार केवल कर्म पर है, कर्म के फल पर नहीं। इसलिए फल की चिंता किये बिना कर्म को ही कर्तव्य मानकर कार्य करो, उसी पर तुम्हारा अधिकार है। गीता की अमूल्य शिक्षा तथा मूल्यों से प्रेरणा लें। अपने जीवन में आत्मसात करें। कार्यक्रम में विश्व गीता प्रतिष्ठानम के जिला प्रतिनिधि शशिकांत मिश्रा, परशुराम आयोग के जिला प्रतिनिधि शिव कुमार चतुर्वेदी, श्री गीता निकुंज आध्यात्मिक संस्थान नरसिंहपुर के 30 प्रतिनिधि, शारदा मन्दिर बरमान खुर्द संस्कृत पाठशाला के 11 विद्यार्थी, श्री मुक्तानंद संस्कृत पाठशाला के आचार्य व 15 विद्यार्थी, गणेश प्रसाद चैबे संस्कृत पाठशाला के 75 विद्यार्थियों ने एक सस्वर में श्रीमद्भगवद गीता जी का 12 एवं 15 अध्याय का पाठ किया। कार्यक्रम में मानदानंद जी महाराज एवं बालक दास जी महाराज ने अपने विचार व्यक्त किए गए। विधायक महेन्द्र नागेश ने आभार व्यक्त किया।

श्रीमज्जगद्गुरु समाधि स्थल लोकार्पण एवं प्रतिमा अनावरण का महोत्सव सम्पन्न

गोटेगांव की परमहंसी झोतेश्वर गंगा आश्रम में ब्रह्मलीन जगत गुरु, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज की पावन तपोस्थली परमहंसी गंगा आश्रम में पूज्य महाराज श्री के समाधि स्थल का लोकार्पण एवं महाराज जी की भव्य प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
उक्त समारोह द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज एवं ज्योति पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अभिमुक्तेश्वरनंद सरस्वती जी महाराज के सानिध्य में पंचग्नि पीठाधीश्वर रामकृष्णानंद जी महाराज की उपस्थिति में संपन्न हुआ,श्री श्रीमज्जगद्गुरु समाधि स्थल मंदिर का लोकार्पण मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी गीता जयंती तदुनुसार दिनांक 11 दिसंबर 2024 दिन बुधवार को प्रातः 10:00 बजे संपन्न हुआ इसी मंदिर प्रांगण में पूज्य ब्रह्मलीन शंकराचार्य जी महाराज की प्रतिमा का अनावरण हुआ। स्मरण हो महाराज श्री की इच्छा अनुसार ही उनकाविदित हो ब्रह्मलीन शंकराचार्य जी महाराज ने अपने जीवन काल में संपूर्ण विश्व में सनातन धर्म की स्थापना एवं व्यापकता के लिए अनेक धर्महित,सामाजिक एवं लोक कल्याणकारी कार्य किए गए हैं,महाराज श्री का भारत देश के स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय योगदान रहा है। कार्यक्रम में इस दौरान पंचायत एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल,उच्च शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, मंडला सांसद फग्गनसिंह सिंह कुलस्ते,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल,विधायक महेंद्र नागेश,विभास जैन,शेखर चौधरी,सहित साधु संत एवं हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

वाहनों पर लगाया गया रेडियम रिफ्लेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पुलिस द्वारा माल वाहक वाहनों पर रेडियम लगाया गया। ज्ञात हो कि सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिय पुलिस महादिनदेशक, कैलाश मकवाना के निर्देशानुसार, जिले की पुलिस अधीक्षक, श्रीमति मृगाखी डेका के कुशल नेतृत्व में जिले में सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं यातायात व्यवस्था में सुधार हेतु किये जा रहे विशेष प्रयास किये जा रहे। जिसके तहत नरसिंहपुर जिला कृषि प्रधान जिला है एवं वर्तमान में संपूर्ण जिले में शक्कर एवं गुड बनाने का काम बडे स्तर पर हो रहा है जिसके कारण ट्रेक्टर एवं ट्रालियों का अना-जाना लगा रहता है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत कृषि कार्य हेतु चलने वाले ट्रेक्टर एवं ट्रालियों में रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जावे ताकि दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सके निर्देशों का पालन जिले के सभी थाना प्रभारियों एवं यातायात पुलिस द्वारा ट्रैक्टर ट्रालियों में रेडियम रिफ्लेक्टर एवं रेडियम टेप लगाए जा रहे है। क्योकि पूर्व में जिला अंतर्गत ट्रैक्टर ट्रालियों में बैकलाइट न होने की वजह से शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कई दुर्घटनाएं हो चुकी है। इन्ही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आज ट्रैक्टर ट्रालियों में रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे है। अभियान के तहत उक्त प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। सडक दुर्घटना होने वाले 13 स्थानों को चिन्हित कर ब्लैक स्पॉट बनाए जाकर सभी थाना क्षेत्रों में जिले के सभी एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों द्वारा ब्लैक स्पॉट का भ्रमण किया जा रहा एवं सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं उनकी रोकथाम हेतु जिला स्तर पर सडक सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित कर योजना तैयार की जाकर सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक उपाय करने हेतु जिले के सभी अनुभाग क्षेत्रों में एसडीएम, एसडीओपी, थाना प्रभारी, यातायात प्रभारी, एनएचएआई एमपीआरडीसी, नगरपालिका, पीडब्ल्यूडी, पंचायत की बैठक आयोजित कर उक्त सभी ब्लैक स्पॉटों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय किये जा रहे है।

हीरापुर सांकल मार्ग पर 53 करोड़ की लागत से बनेगा पुल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। हीरापुर सांकल मार्ग पर नर्मदा नदी के ऊपर 53 करोड़ रुपये की लागत से उच्चस्तरीय पुल निर्माण की योजना जिले के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। यह परियोजना कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल के विशेष प्रयासों से संभव हो पाई है। इस पुल के निर्माण से जिले के निवासियों को न केवल बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी अहम भूमिका निभाएगा हीरापुर सांकल मार्ग पर नर्मदा नदी के ऊपर इस पुल के निर्माण की लंबे समय से मांग की जा रही थी इस

पुल के निर्माण से अनेक समस्यायो का स्थायी समाधान होगा इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य जिले को बेहतर परिवहन सुविधा से जोड़ना है। पुल बनने के बाद हीरापुर और सांकल जैसे इलाकों के बीच सीधा और सुगम संपर्क स्थापित होगा यह न केवल यात्रा के समय को कम करेगा, बल्कि परिवहन लागत को भी घटाएगा। इससे किसानों, व्यापारियों और विद्यार्थियों को विशेष लाभ होगा कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने इस पुल को मंजूरी दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि विधानसभा में अनेक विकास कार्यों के लिए कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल लगातार प्रयास कर रहे अनेक निर्माण कार्यों के लिए उन्होंने राशि आवंटित भी की है जिले के विकास के लिए भी अनेक योजनाएं उनके द्वारा बनाई हुई जिनकी सौगातें जल्द प्राप्त होंगी।

जमीनी विवाद को लेकर की मारपीट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीती रात थाना क्षेत्र कोतवाली निवासी व्यक्ति को पुराने विवाद को लेकर मारपीट कर दी गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रूप सिंह लोधी निवासी कुम्हड़ी थाना कोतवाली के साथ मेढ़ पड़ोसियो द्वारा जमीनी विवाद को लेकर मारपीट कर दी गई। जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

युवक को जान से मारने की धमकी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र करेली की पुलिस चौकी आमगांव क्षेत्र निवासी सोमेश मेहरा द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम डीएसपी को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई। आवेदन मे बताया गया है कि कुछ दिन पूर्व गांव के कुछ लोगों द्वारा मारपीट की गई थी जिसकी शिकायत पुलिस से की थी जिस पर गांव के प्रयाग राजपूत नाम के युवक का नाम रिपोर्ट में नही जोडा गया है और प्रयाग युवक को जान से मारने की धमकी दी जा रही है एवं शिकायत वापिस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। युवक द्वारा कार्रवाई की मांग करते हुये आवेदन दिया गया।

दो पक्षो मे मारपीट चार घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र तेंदुखेड़ा में किरायेदार के निकले पर दो पक्षों मे विवाद हो गया जिसमे चार लोग घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि पड़ोस मे रहने वाले दो पक्षों मे रास्ते को लेकर विवाद हो गया जिसमे हुई मारपीट मे चार लोग घायल हो गये जिनका उपचार जिला चिकित्सालय मे जारी है।

दो बाइकों में भिड़ंत, चार घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस दो बाइकों मे आपस में भिड़ंत से चार लोग घायल हो गये। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार खामघाट जाते समय पिपरहा के पास सामने से आ रही मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी जिसमे चार लोग घायल हो गया सभी घायलों का उपचार जिला चिकित्सालय मे किया जा रहा है।

पिकअप को बोलेरो ने मारी टक्कर, दो घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशन गंज के बहोरीपार के पास पिकअप को बोलेरो ने टक्कर मार दिया जिसमे दो लोग घायल हो गये। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नीरज व सोमनाथ सैनी निवासी जबलपुर शादी समारोह में फ्लावर लगाने का काम करने के लिये आये हुए थे वापस जबलपुर जाते समय बोलेरो ने सामने से टक्कर मार दी जिसमे दोनो घायल हो गए जिनका उपचार जिला चिकित्सालय मे जारी है।

अल्प प्रवास पर राजमार्ग पहुंचे जीतू पटवारी ने कहा

विधानसभा घेराव में बूथ स्तर से कार्यकर्ता पहुंचे

तेंदूखेड़ा। परमहंसी में ब्रम्हलीन शंकराचार्य जी की समाधि लोकार्पण के उपरांत सड़क मार्ग से राजमार्ग चौराहे पर स्थित पूर्व विधायक संजय शर्मा के कार्यालय में भोपाल जाते समय अल्प प्रवास पर रुके प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपील की है कि आने वाली 16 दिसंबर को इतिहास का सबसे बड़ा विधानसभा का घेराव किया जायेगा जिसमें प्रदेश के कोने कोने से प्रत्येक बूथ स्तर से कार्यकर्ता पहुंचे। आने वाले 2028 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बननी सुनिश्चित है। जिसका आगाज विजयपुर विधानसभा उप चुनाव से शुरू हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के क्षेत्र से हमारी हार बहुत कम अंतर से हुई है इससे स्पष्ट हो जाता है कि अब प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से हैरान है। संपूर्ण प्रदेश में अराजकता का माहौल बना हुआ है ।प्रदेश में किसानी को लाभ का धंधा बताने वाले शिवराज सिंह चौहान केवल राजनैतिक किसान पुत्र हैं उन्हें वास्तविक

रूप से किसानों की समस्यायों से कुछ लेना देना नहीं है। किसानों को 45 लाख करोड़ का नुक़सान है। भाजपा की सरकार 17लाख करोड़ उद्योगपतियों के माफ कर सकती है लेकिन 16 लाख करोड़ रुपए किसानों का माफ नहीं कर पा रही है। धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने की बात कही थी लेकिन 22 सौ से 24सौ के भाव खरीद हो रही है। गेंहू 27सौ और सोयाबीन 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल का कहा था लेकिन आज उपज लेकर किसान मारा फिर रहा है। इन्हीं सभी विषयों को लेकर अब प्रत्येक कार्यकर्ता को ईमानदारी से सड़कों पर उतरना पड़ेगा तभी हम आने वाले समय में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।जब तक जमीन से जुड़े कार्यकर्ता आगे नहीं आयेंगे तब तक हम अपनी मंजिल नहीं पा सकेंगे। इसके पूर्व विधायक संजय शर्मा एवं प्रत्येक ब्लॉक से पहुंचे विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारियों ने शाल श्रीफल पुष्पहारों से स्वागत किया। तथा पूर्व विधायक संजय शर्मा ने स्वागत भाषण के दौरान आने वाले समय की रणनीति पर चर्चा की।श्री पटवारी के साथ राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी पूर्व विधायक उदयपुरा देवेन्द्र पटेल तथा नरसिंहपुर जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता पदाधिकारी प्रमुख रुप से उपस्थित थे।संचालन जिला प्रवक्ता किशोर राय ने किया।

चौरसिया समाज ने सौंपा ज्ञापन

इस मौके पर पीपरवानी पान से पहुंचे चौरसिया समाज के स्वाजातीय बंधुओं ने हाल ही में गाडरवारा में हुई एक युवा की दिनदहाड़े की गई हत्या को लेकर हत्यारों को कठोर दंड दिये जाने की मांग की है।

विधायक से मिला सरपंचों का प्रतिनिधि मंडल

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस जनपद पंचायत चांवरपाठा के सरपंचगणों एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल के नेतृत्व में क्षेत्रीय विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटैल के ग्रह निवास ग्राम- रीछा पहुंचकर उपस्थित सभी सरपंचों द्वारा विधायक का पुष्प मालाओं से स्वागत सम्मान किया गया ।इसी मौके पर विधायक द्वारा उपस्थित सभी सरपंचगणों का शाल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया । सरपंच संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश पटैल ने सरपंचों को आ रही विकास कार्यों एवं विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया इसी कड़ी में सरपंच संघ उपाध्यक्ष सुश्री आकांक्षा पटैल ने भी ग्राम पंचायतों की अनेक समस्याओं पर प्रकाश डाला अन्य सरपंचों ने भी अपनी अपनी समस्याओं से विधायक जी को अवगत कराया।सरपंचों के सभी बिंदुओं को सुनने के बाद विधायक ने सरपंचों को आ रही विभिन्न समस्याओं को शीघ्र हल कराने आश्वस्त किया । कार्यक्रम के अंत में अमित पटैल ने उपस्थित सरपंचगणों का आभार व्यक्त किया ।इस मौके पर ओमप्रकाश पटैल सुश्री आंकाक्षा पटैल प्रदीप कुमार शर्मा अभिषेक नायक तारा चंद चौधरी देवेन्द्र पटैल प्रीतम पटैल बैनी सिंह पटैल किशोर कश्यप राव देवराज सिंह ठा धर्मेन्द्र सिंह भरत पटैल भजन सिंह लोधी शारदा साहू मुरलीधर लोधी प्रदीप कौरव द्वारका प्रसाद दिलीप सिंह ठाकुर संदीप कुमार ठाकुर वारेलाल ठाकुर प्रदीप कुमार रमेश कुमार मेहरा जीतेन्द्र पटैल जयराम पटैल गिरिराज पटैल रामकुमार कौरव अजीत कौरव मुकेश रघुवंशी ब्रजेश परौसी ज्ञानेश्वर यादव जगदीश चौरसिया बलवीर पटैल नारायण सिंह लोधी राघवेन्द्र सिंह लोधी गोपाल दास बैरागी मानकलाल यादव भरत चौधरी सियाराम ठाकुर रेवाराम सिलावट खेलन सिंह केवट सहित बड़ी संख्या में सरपंच संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

गोटेगांव में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम आयोजित

गोटेगांव। स्थानीय नगर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस मिनी स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ कार्यक्रम में अनेक संतों ने श्रीमद्भगवद गीता के गूढ़ संदेशों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया। उन्होंने गीता के श्लोकों के माध्यम से बताया कि जीवन में सत्य, धैर्य, और कर्मयोग का कितना महत्व है,मनुष्य को केवल अपने कर्म करने का अधिकार है, फल की चिंता किए बिना कर्म करने में लगना चाहिए। यही जीवन का सच्चा मार्ग है।मुख्यअतिथि कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रीमद्भगवद गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने का मार्गदर्शन करने वाला ज्ञान का भंडार है। वहीं कार्यक्रम के दौरान मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष स्कूली बच्चो को गीता जी का वितरण करता है। इसलिए सभी बच्चे ₹गीता को जीवन का हिस्सा बनाएं, क्योंकि गीता केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है।₹ विधायक महेंद्र नागेश ने आभार उद्बोधन में कार्यक्रम में उपस्थित सभी संतों, महंतों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों का धन्यवाद व्यक्त किया,इस अवसर पर मानदानंदजी पूज्य गीतांजलिजी रघुनाथदासजी बालकदासजी कैबिनेट मंत्री प्रहलादसिंह पटेल, मंडला सांसद फग्गनसिंह सिंह कुलस्ते,पूर्व राज्यमंत्री जालमसिंह पटेल,विधायक महेंद्र नागेश,नपा अध्यक्ष पूनम ठाकुर,ज.अध्यक्ष आरती पटेल, कलेक्टर शीतला पटले,पुलिस अधीक्षक मृगांखी डेका, एसडीएम देवती परते, तहसीलदार नीरज तखरिया, सहित अन्य अधिकारी शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र-छात्राएं एवं नागरिक उपस्थित रहे।